Bihar Board Class 8 Hindi Notes Chapter 2 ईदगाह

ईदगाह

प्रेमचन्द रचित यह ..... को मिलता है।
कहानीकार-रमजान के तीस दिनों के बाद ईद आई है। गाँव में खुशी का माहौल है। सभी ईदगाह जाने के लिए तैयारियाँ कर रहे हैं। बच्चे ज्यादा प्रसन्न हैं। सभी के जेबों में पैसे हैं। लेकिन हामीद जो एक गरीब है। उसके माता-पिता मर चुके हैं। एक बुढ़िया दादी अमीना उसे पाल रही है। हामीद के पास दादी ने मात्र तीन पैसे दिये हैं।। – ईदगाह पर नवाज पढ़े गये । इसके बाद बच्चों ने मिठाई की दुकान पर

आकर रंग-बिरंग की मिठाईयाँ खाने लगे लेकिन हामीद ललचाता रहा । क्या करे, क्या खरीदे उसके समझ में नहीं आ रहा था । बच्चे आगे बढ़े रंग-बिरंग के खिलौने देख बच्चे अपने-अपने पसंद के खिलौने खरीदे । लेकिन हामीद को रंग-बिरंगे खिलौने आकर्षित नहीं कर सके । हामीद आगे बढ़ा, लोहे के बने । विविध प्रकार के चीज बिक रहे थे । जहाँ बच्चों की जरूरत की कोई चीज नहीं। लेकिन हामीद तीन पैसे में एक चिमटा खरीद लेता है । यह चिमटा दादी को काम आयेगा । रोटी सेकने में दादी का हाथ नहीं जलेगा।

हामीद चिमटा लेकर बच्चों के बीच आता है। जहाँ बच्चे उसके चिमटे का उपहास करते हैं। लेकिन हामीद अपने चिमटा को कंधे पर रख बंदूक ..

कहता है । हाथ में लेकर फकीरों का चिमटा बताता है । हामीद ने
चिमटा को बजाते हुए मंजीरा भी साबित कर दिया । चिमटा को घुमाते
हुए कहा, अगर – एक चिमटा जमा हूँ तो तुम्हारे खिलौने के जान
निकल जाएँगे । मेरे चिमटे को

कोई बाल-बाँका नहीं कर सकता। फिर बच्चे चिमटे के कायल हो गये। सबों ने हामीद के चिमटे हाथ से छुए । हामीद ने भी सबों के खिलौने को बारी-बारी से स्पर्श किया।
बच्चे गाँव आकर अपने-अपने खिलौने से खेलने लगते हैं। सभी के खिलौने कुछ ही देर में टूट-फूट गये। हामीद को देखते ही दादी अमीना गोद में उठाकर गले लगा लेती है। सहसा हामीद के हाथ से चिमटा गिर जाता है। वह चौक जाती है चिमटा कहाँ

से आया । वह गुस्सा में आ जाता है । हामीद ने कहा दादी तुम्हारा हाथ अब नहीं जलेगा। दादी का क्रोध स्नेह में बदल जाता है। वह सोचने लगती है। हामीद में कितना त्याग, सद्भाव और विवेक है जो बच्चों को मिठाई खाते, खिलौने से खेलते देख ललचाया होगा। लेकिन सभी इच्छाओं को दबाकर वह दादी का ख्याल रखा।

अमीना की आँखों में स्नेह के आँसू बहने लगे। वह दामन फैलकर हामीद को दुआएँ दे रही थी।

https://www.evidyarthi.in/